बस्तिशाला में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं शिक्षा के मुख्य प्रवाह पर पड़नेवाले प्रभाव का अध्ययन

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय
एम.एड. (आर.आई.ई.) परीक्षा की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत
लघु शोध-प्रबंध
2009-10

निर्देशक
डॉ. यू.लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक, शिक्षा विभाग,
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल

अनुसंधानकर्ता
रमेश निकुंभे
एम.एड. छात्र, (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

बस्तिशाला में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं शिक्षा के मुख्य प्रवाह पर पड़नेवाले प्रभाव का अध्ययन

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय

एम.एड. (आर.आई.ई.) परीक्षा की

आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

2009–10

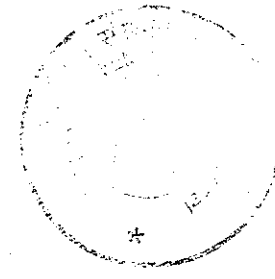

D 379

निर्देशक

डॉ. यू.लक्ष्मीनारायण

प्रवाचक, शिक्षा विभाग,

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

भोपाल

अनुसंधानकर्ता

रमेश निकुंभे

एम.एड. छात्र, (आर.आई.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

घोषणा-पत्र

मैं **रमेश सखाराम निकुंभे** एम.एड. (एन.सी.ई.आर.टी.) यह घोषणा करता हूं कि **"बस्तिशाला में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं शिक्षा के मुख्य प्रवाह पर पड़नेवाले प्रभाव का अध्ययन"** नामक शीर्षक पर लघु शोध-प्रबंध 2009-10 में मेरे द्वारा डॉ. **यु. लक्ष्मीनारायण**, प्रवाचक, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

यह लघु शोध-प्रबंध बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई.) सन् 2009-2010 की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में लिये गये प्रदत्त एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये है तथा यह प्रयास पूर्णतः मौलिक है और इस लघुशोध का उपयोग अन्य उपाधि के लिये प्रस्तुत नहीं किया जायेगा।

अनुसंधानकर्ता

10/05/2010

रमेश निकुंभे
एम.एड. छात्र (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
भोपाल

स्थान : क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल

दिनांकः 10 मई, 2010

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **रमेश सखाराम निकुंभे** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. के नियमित छात्र है। इन्होंने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध–प्रबंध **"बस्तिशाला में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं शिक्षा के मुख्य प्रवाह पर पड़नेवाले प्रभाव का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोधकार्य उनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध–प्रबंध बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि सन् 2009–2010 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

निर्देशक

स्थान : भोपाल

दिनांकः 10.5. मई, 2010

डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
(एन.सी.ई.आर.टी.)

आभार-ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध **"बस्तिशाला में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं शिक्षा के मुख्य प्रवाह पर पड़नेवाले प्रभाव का अध्ययन"** की सम्पन्नता का संपूर्ण श्रेय आदरणीय, पूज्यनीय डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण साहब प्रवाचक, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को है। जिन्होंने अपने अत्यंत व्यस्तता भरे जीवन में से समय निकालकर निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा हमेशा प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध आपके द्वारा शोधकार्य में गहन आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय पितृतुल्य, वात्सल्यपूर्ण सहयोग का प्रतिफल है। जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक आदर्श अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में बहुमूल्य समय में से पर्याप्त समय दिया है। अतः मैं उनका तहदिल से ऋणी हूं।

मैं आदरणीय प्राध्यापक डॉ. कृ.बा. सुब्रमणियम् साहब प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल तथा प्रा. डॉ. एम.एन. बापट साहब अधिष्ठाता, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल।

सालभर संगोष्ठियों में हमें उचित मार्गदर्शन तथा उचित पथप्रदर्शन करने वाले मा. डॉ. शिवकुमार गुप्ता साहब प्रमुख, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और साथ ही डॉ. रमेश बाबू, डॉ. के.के. खरे, डॉ. एम.यू. पैईली, डॉ. सुनिती खरे, संजकुमार पंडागले, डॉ. रत्नमाला आर्या, डॉ. एन.सी. ओझा, श्री आनंद वाल्मिकी, सारिका साजू जिन्होंने मुझे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष

रूप से शोधकार्य की सम्पन्नता में मौलिक सहयोग प्रदान किया है, उनका मैं दिल से आभारी हूं।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी और श्रीमती लालिमा शर्मा एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूं।

मैं मेरे परम् मित्र जयंत थूल, धनजीत वाकडे, श्रीधर रणक्षेत्रे, अनंत गावंडे, आशीष पंडया, चन्द्रकुमार बनकर, सोपान दरवडे, रणजीत सातपूते, महेन्द्रसिंह बेलवंशी, रमेश मारू, अरविंद परमार, विष्णु प्रजापत, मुकेश सोलंकी और सभी सहपाठियों को दिल से धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मेरे स्वास्थ्य खराब होने पर और शोधकार्य पूरा कराने में दिन–रात मदद की है।

मैं उन सभी शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों (बस्तिशाला, नाविण्यपूर्ण स्कूल एवं जिला परिषद स्कूल) का आभारी हूं, जिन्होंने मुझे प्रदत्त संकलन में अपना बहुमूल्य समय तथा सहयोग प्रदान किया है।

मैं मेरे पूज्यनीय पिताजी सखाराम निकुंभे, माताजी भागाबाई निकुंभे जीजाजी और जीजी भिमराव ढोडरे, उर्मिला ढोडरे और राजेन्द्र कुवर, मिनाबाई कुवर एवं सभी परिवार के सदस्यों का ऋणी हूं, जिन्होंने मेरे अध्ययन में महत्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु तन, मन, धन से सहयोग दिया है।

अंत में मैं उन सभी महानुभावों को ध्यन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने इस लघुशोध कार्य को पूरा करने में प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से मदद की है।

10/05/2010

रमेश निकुंभे
एम.एड. छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल

अनुक्रमणिका

प्रथम	**शोधपरिचय**	**पृष्ठ संख्या**
	1.1 प्रस्तावना	1
	1.2 सर्व शिक्षा अभियान	4
	1.3 बस्तिशाला का स्वरूप	9
	1.4 समस्या कथन	13
	1.5 शोध अध्ययन की आवश्यकता	14
	1.6 शोध अध्ययन के उद्देश्य	15
	1.7 शोध की परिकल्पनायें	15
	1.8 समस्या कथन में प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा	16
	1.9 अध्ययन का सीमांकन	17
द्वितिय	**संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन**	**19**
	2.1 भूमिका	19
	2.2 संबंधित साहित्य का अर्थ	19
	2.3 संबंधित साहित्य के सर्वेक्षण का कार्य	20
	2.4 संबंधित साहित्य के सर्वेक्षण से लाभ	20
	2.5 संबंधित साहित्य के पुनरावलोकन के विशिष्ट उद्देश्य	21
तृतीय	**शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया**	**29**
	3.1 प्रस्तावना	29
	3.2 अध्ययन विधि	29
	3.3 न्यादर्श चयन	30
	3.4 शोध के चर	32
	3.5 प्रदत्तों के संकलन के लिए प्रयुक्त उपकरण	33
	3.6 प्रदत्त संकलन के लिए प्रयुक्त उपकरण के अंकन की विधि	34

3.7 प्रदत्तों के संकलन में उत्पन्न कठिनाईयां 35

3.8 प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियां 36

चतुर्थ प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या 37

4.1 प्रस्तावना 37

4.2 परिकल्पनाओं का विवरण 38

4.3 शिक्षा के मुख्य प्रवाह पर पड़नेवाले प्रभाव का विवरण 46

पंचम शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव 51

5.1 प्रस्तावना 51

5.2 समस्या कथन 52

5.3 शोध के उद्देश्य 52

5.4 शोध की परिकल्पनाएं 53

5.5 शोध के चर 54

5.6 शोध की परिसीमाएं 54

5.7 न्यादर्श 55

5.8 शोध में प्रयुक्त उपकरण 56

5.9 शोध मे प्रयुक्त सांख्यिकीय विधि 57

5.10 अध्ययन के मुख्य परिणाम 57

5.11 शोध के निष्कर्ष 58

5.12 शैक्षिक सुझाव 59

5.13 भावी शोध हेतु सुझाव 62

संदर्भग्रंथ सूची

परिशिष्ट

शोध कार्य में प्रयुक्त उपकरण